Hindi Murli Quiz 11-10-2013

आप यहाँ से सिर्फ 20 मिनट की 3mb की ऑडियो mp3 मुरली डाउनलोड करके अच्छी तरह सुनके/पढके फिर ही क्विज करें. इससे १००/१०० आना आसान हो जायेगा :-)

धन्यवाद

ओम शांति

Q.1) **तुम हो _____ | राजाई प्राप्त करने वा भारत का फिर से राज्य-भाग्य पाने के लिए तुम पुरुषार्थ कर रहे हो | तुम भारत में स्वर्ग की राजाई स्थापन करते हो, अपने तन-मन-धन से सेवा करके | (मुरली के अनुसार यहाँ एक ही सही उत्तर है ,उसको टिक करके इस वाक्य को पूरा करो)**

A. तीव्र पुरुषार्थी
B. राजऋषि
C. धर्म स्थापक
D. सेवाधारी

Q.2) **आज की मुरली के अनुसार, इस पुरानी दुनिया [नर्क] और नई दुनिया [स्वर्ग अथवा सतयुग] की तुलना करते हुए, इनको मिलाइये ----**

	Choice	Match
A	यह है ही विशश, पतित दुनिया	सतयुग है वाइसलेस दुनिया
B	हम बापके बनते हैं तो हम स्वर्ग के मालिक बनते हैं I	फिर बापको भूलने से नर्क के मालिक बन जाते हैं	
C	इस समय सभी मनुष्यमात्र हैं सदा दुर्भाग्यशाली,	सतयुग में थे सदा सौभाग्यशाली I
D	यहाँ घड़ी-घड़ी गर्भ जेल में जाकर सजायें खाते हैं		सतयुग में गर्भ को जेल नहीं, गर्भ महल कहते हैं I
E	सतयुग में केवल एक लौकिक बाप याद रहता है I	यहाँ दो बाप को याद करते --लौकिक और पारलौकिक बाप I
F	सतयुग में कायदे अनुसार एक ही बच्चा होता है	कभी अकाले मृत्यु नहीं होती है		यहाँ अकाले ही मृत्यु होती और बच्चे होने पर कोई सीमा नहीं है I
G	सतयुग में तो अनाज आदि बहुत सस्ता अच्छा होता है I	यहाँ तो कमरतोड़ महंगाई रहती है I

Explanation :

Q.3) **क्वेश्चन मार्क का टेढ़ा रास्ता लेने के बजाए कल्याण की बिन्दी लगाना ही _____ बनना है | (आज के स्लोगन के अनुसार इनमे से एक उत्तर सही है ,उसे टिक करके वाक्य को पूरा करें)**

A. कल्याणकारी
B. डबल लाइट
C. व्यर्थमुक्त
D. रहमदिल

Q.4) **इन्हें मिलाइये----**

	Choice	Match
A	अभी भगवान् यह सूर्यवंशी, चन्द्रवंशी राजधानी स्थापन कर रहे हैं I	अभी तुम पुरुषार्थ कर अनेक जन्मों की प्रालब्ध बना रहे हो बेहद के बाप द्वारा	
B	ड्रामा में हर एक्टर का अपना-अपना पार्ट है	इसमें हम क्यों रोयें पीटें? हम जीते जी उस एक बाप को याद करते हैं	
C	बाप जो स्वर्ग का रचयिता है, उनको कोई भी नहीं जानते|	जगदम्बा को भी भूल गये हैं	जिसका मन्दिर बना हुआ है – अभी वह चैतन्य में बैठे हैं	
D	अब इन माताओं द्वारा स्वर्ग के द्वार खुल रहे हैं		वन्दे मातरम गाते हैं ना	पावन की ही वन्दना की जाती है|
E	बाप है लिबेरटर, दुःख हर्ता, सुख कर्ता		तुम्हारे दुःख हरने के लिए पुरानी दुनिया का विनाश कराते हैं	
F	यह है रूद्र शिव का ज्ञान यज्ञ, जिससे यह विनाश ज्वाला निकली है		वह सब विनाश हो जायेंगे और तुम सदा सुखी बन जायेंगे	

Explanation :

Q.5) **इन्हें मिलाएं ----**

	Choice	Match
A	पतित हमेशा बेसमझ होते हैं |	पावन दुनिया समझदार होती है|
B	तुमको दो बाप हैं – एक है विनाशी शरीरी को जन्म देने वाला विनाशी बाप,	दूसरा है अविनाशी आत्माओं का अविनाशी बाप |
C	मनुष्य समझते हैं स्वर्ग ऊपर होगा, परन्तु लक्ष्मी-नारायण का यादगार तो यहाँ है I	तो जरुर यहाँ ही राज्य किया होगा |
D	भक्ति मार्ग में पहले अव्यभिचारी भक्ति थी |	अभी तो तुमने ठिक्कर-भित्तर में डाल दिया है | अभी इस भक्ति का अन्त है|
E	भक्ति में यज्ञ जब समाप्त होता है तो उसमे सब कुछ स्वाहा करते हैं|	इस ज्ञान यज्ञ की समाप्ति तब होगी, जब सारी सृष्टि इसमें स्वाहा होती |
F	यहाँ आते हैं तो ज्ञान अच्छी रीति समझते हैं फिर घर जाते हैं तो सब ख़लास हो जाता I	जैसे गर्भजेल में वायदा करते , बाहर निकलते हैं तो फिर पाप करने लग पड़ते हैं |

Explanation :

Q.6) **एक सही उत्तर है ,उसपर टिक करके वाक्य पूरा करिए I "बाप कहते हैं मैं निराकार भी इस शरीर का आधार लेता हूँ \| मनुष्यों ने मेरे बहुत नाम रखे हैं, परन्तु मेरा एक ही नाम _____ है \|"**

- **A.** रुद्र
- **B.** शिव
- **C.** सोमनाथ
- **D.** भोलेनाथ

Q.7) **इस समय तुम भारत की कितनी सेवा करते हो \| तुम्हारे ही नाम गाये हुए हैं – अन्नपूर्णा, दुर्गा, काली आदि-आदि \| बाकी काली कोई ऐसी भयानक शक्ल वाली वा गणेश सूंढ़ वाला थोड़ेही होता है \| मनुष्य तो मनुष्य ही होते हैं \|**

- **A.** False
- **B.** True

Q.8) **बाप की किस श्रीमत पर चलने से गर्भजेल की सजाओं से छूट सकते हैं? (एक से ज्यादा उत्तर हो सकते हैं I फुल मार्क्स लेने के लिए सभी सही उत्तरों को टिक करें)**

- **A.** कोई भी पाप कर्म न करो I
- **B.** एक बाप दूसरा न कोई, तुम सिर्फ मुझे याद करो I
- **C.** नष्टोमोहा बनो I

Q.9) **क्विज को सुधारने के लिये अपने सुझाव अवश्य दीजिये I**

Q.10) **साथ रहने, साथ जीने और साथ चलने के वायदे को स्मृति में रख बाप और आप कम्बाइन्ड रूप में रहो तो इस स्वरूप को ही _____कहा जाता है I (आज के वरदान के अनुसार सही उत्तर पर टिक करके वाक्य पूरा करिए)**

- **A.** तपस्वी
- **B.** सहजयोगी
- **C.** वैरागी
- **D.** ज्ञानी

Q.11) **"निश्चय करो कि हम आत्मा हैं, यह हमारा शरीर है, इसमें _____करने की कोई आवश्यकता नहीं I अगर आत्मा का _____हो भी जाये तो भी समझ नहीं सकेंगे I" (मुरली के अनुसार नीचे दिए गए उत्तरों में केवल एक सही है, उसे टिक करके इस वाक्य को पूरा कीजिये)**

- **A.** उपासना
- **B.** साक्षात्कार
- **C.** मिलन